ग्रामीण समाज में आधुनिकीकरण

डॉ० विनय पासवान*

सामान्यतया आधुनिकीकरण आधुनिकता की ओर अग्रसर होने की प्रक्रिया माना जाता है। इसमें नवीनता का उदय होता है तथा आधुनिक प्रवर्षत्तियों विकसित होती है। यह एक प्रकार का बौद्धिक आंदोलन है, जिसमें व्यक्तियों की मानसिकता का परिवर्तन होता है तथा जीवनशैली एवं व्यवहार के नवीन प्रतिमान विकसित होते है। इस प्रकार आधुनिकरण के अन्तर्गत नवीनीकरण, नागरिकता का प्रसार, जनतंत्रीकरण, धर्मनिरपेक्षीकरण, विचार स्वतंत्रता, स्वावलंबन, सांस्कर्षतिकरण पश्चिमीकरण, नगरीकरण इत्यादि की प्रक्रियाएँ होती है। इसमें औपचारिकतावाद राजनीतिकरण, विद्युतीकरण व्यापारीकरण, यंत्रीकरण एवं सामाजिक जीवन का विधियों का उपयोग आदि की भी भूमिका होती है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण समुदायों में साक्षरता प्रसार अभियान सबके लिए सामान्य शिक्षा की शासकीय नीतियाँ तथा रोजगारपरक शिक्षा की व्यवस्थाओं द्वारा ग्रावासियों के शैक्षिक स्तरों में परिभार्जन परिलक्षित हो रहा है परन्तु उसकी गति मंद है।

आजादी के बाद से भारत के साथ ही बिहार के गाँवों के आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक सांस्कर्षतिक, धार्मिक, औद्योगिक आदि क्षेत्रो में बहुत ही असरदार परिवर्तन आ रहे हैं। खासकर वे गाँव जो बड़े शहरों के नजदीक हैं इनमें आधुनिक वस्तुओं के अधिक प्रयोग देखा जाता है। तथा जो गाँव नगर से काफी दूर है वहाँ अभी भी आधुनिकीकरण के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। हमें प्राचीनता को मापते हुए ही हम आधुनिकता को मापने में सफल हो सकते हैं। यदि हम व्यवसायों में कर्षि पर गौर करे तो हमें पता चलता है कि कर्षि जैसे व्यवसाय का कितना अधिक आधुनिकीकरण हुआ है। खेत जुताई के लिए ट्रक्टर, पकी हुई फसल काटने के लिए मशीने, वैज्ञानिक ढंग से खेती, कीट पतंग मारने की आधुनिक दवाइयाँ, डीजल पंप सेट ये सभी प्राद्योगिक एवं वैज्ञानिक परिवर्तन इस बात को प्रमाणित करता है कि भारत में जो प्राचीन कृषि पद्धति थी उसके स्थान पर अब आधुनिक वैज्ञानिक पद्धति का इस्तमाल किया जाने लगा है।

ग्रामीण लोगों द्वारा रोजमर्रे की जीवन में प्रयोग आने वाली वस्तुओं पर यदि हम विचार करे तो आसानी से पता चल जाता है कि उनके सामाजिक और दैनिक जीवन में बहुत परिवर्तन आ चुका है। अब प्रत्येक घरों में चाय का प्रचलन के कारण कप और प्लेट मिलना आम बात हो गयी है। अब ग्रामीणों के घरों में कुर्सियों रखना आम बात हो गई है जबकि पहले चारपाई (खटिया) से ही काम चलाया जाता था। यदि हम ग्रामीण वेश–भूषा पर गौर करे तो धोती, कुर्ता लूँगी के जगह जींस, पैंट, शर्ट, टी–शर्ट एवं पायजामा ने ले लिया है। हाफ–पैंट एवं Three Quarter पैंट का प्रचलन भी ग्रामीण क्षेत्रों में भी हो चुका है।

यदि हम धर्म और संस्कारों की बात करे तो पाते है कि इनमें काफी बदलाव आ चुका है। जो गाँव बड़े शहरों के नजदीक है वहाँ तो बदलाव दीखता ही है परन्तु शहर से काफी दूर के गाँवों में भी धर्म और संस्कारों में काफी परिवर्तन देखने को मिलता है। गाँवों में कयी देवी देवता और बाबा जी जो अलग–अलग रोगों के लिए होते थे अब क्षीण होते जा रहे हैं, क्योंकि ग्रामीण अब रोजगार के लिए शहरों की तरफ आने लगे हैं। जो ग्रामीण युवक शहर में काम करने के लिए रहने लगे हैं उनमें ग्रमीण धर्म में विश्वास कम होने लगा है। ग्रामीण विवाह में संस्कारों में परिवर्तन देखने को मिलते है। वैंड बाजा बजते हैं तथा नगरों में पहने जाने वाले पोशाक का इस्तमाल ग्रामीण युवकों द्वारा अपनी विवाह में किया जाने लगा है। इतना ही नहीं शोषित जातियाँ भी अब उन संस्कारों को ग्रहण कर रहे है जो सिर्फ उच्च जातियों के लिए माना जाता रहा है।

आधुनिकीकरण के कारण जाति व्यवस्था में भी काफी बदलाव देखने को मिलता है। यह एक सत्य है कि बड़ी जातियों का आज भी गांवों में बोल बाला है परन्तु निम्न जाति के लोगों भी अपने अर्जित गुणों के कारण निरंतर उपर उठते जा रहे हैं। छोटी जाति के शिक्षित व्यक्ति भी बड़े स्थानों पर पहुँच रहे है। वैसे निम्न जाति के व्यक्ति जो ऊँचे स्थान पर पहुँच जाते हैं उनका सम्मान बड़े जाति के लोग भी करते हैं। छोटी जाति के लोग जो कार्य शताब्दियों से करते रहे हैं अब उसमें परिवर्तन आ रहा है और आधुनिक युग में प्रदत स्थिति की अपेक्षा अर्जित स्थिति का महत्व बढ़ता जा रहा है। व्यक्ति जन्म से क्या हैं इसका महत्त्व आज नहीं है बल्कि उसने अर्जन क्या किया है इसका महत्त्व बढ़ गया है। परिवर्तन होते

***एम.ए.,पी–एच.डी. (समाजशास्त्र) ग्राम–सिरियावाँ (वैद्यचक) थाना–मोहनपुर (गया)**

परिवेश में प्राचीन पीढ़ी नयी स्थिति को स्वीकार करने के साथ–साथ अपने को उसके अनुसार ढाल भी रही है। जो आधुनिकीकरण का द्योतक है।

शिक्षा का प्रसार एवं औद्योगीकरण ने उन्हें जीविका प्राप्त करने के विकल्प प्रस्तुत करने के साथ ही बड़े शहरों में बसने को मजबुर किया यहाँ इनका नगरीकरण होने के कारण एकल परिवार में विश्वास बढ़ता गया। संयुक्त परिवार कमजोर होता गया। परिणाम स्वरूप गांव में भूमि का बँटवारा हुआ तथा एक चुल्हे की जगह अनेक चुल्हे जलने लगे। स्वतंत्र भारत में गांवों में भी राजनैतिक गति विधियाँ तेज होने लगी। चुनाव के कारण ग्रामीणों में राजनैतिक चेतना और जागरूकता पैदा किया। राजनैतिक अधिकारों को समझने लगा।

उपर्युक्त बातों से स्पष्ट होता है कि भारतीय गांव आधुनिकीकरण के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसका मुख्य कारण सरकार द्वारा गांव के विकास के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएँ चला रही है। शिक्षा का प्रसार, स्वास्थ्य केन्द्र, मनोरंजन के साधन ग्रामीण जीवन में अनेक प्रकार के परिवर्तन नगरों की विशेषताओं को अपने में लिए हुए है।

स्त्री समाज की स्थिति में बहुत कुछ परिवर्तन के बावजूद बहुत कुछ वैसा ही है। अगर कुछ अंतर आया है तो बस इतना ही कि ये महिलाएँ संयुक्त परिवार में रहना अब पसंद नहीं करती है। जो स्त्रियाँ शहर आती रहती है वे अपने साथ अनेक शहरी विशेषताओं को लेकर आती है और उसी से ग्रामीण महिलाएँ भी कुछ फैसन सीख लेती है। आजकल सोसल मिडिया के कारण ग्रामीण महिलाओं एवं ग्रामीण युवकों को शहर की फैसन और रहन–सहन देखने समझने का मौका मिला है तथा अपने–आप को उसके अनुकूल ढालने की कोशिश करते हैं। फिर भी ग्रामीण महिलाओं में परिवर्तन पुरुषों की अपेक्षा कम तेजी से हो रही है। अभी भी ग्रामीण लड़कियों को उच्च शिक्षा देने के पक्ष में लोग नहीं रहते हैं। ग्रामीण महिलाएँ संस्कारों से काफी बंधी हुई होती है। वह चाह कर भी क्रांतिकारी कदम नहीं उठा सकती है परन्तु जो स्त्रियाँ शिक्षित हैं वो विभिन्न प्रकार के कार्यों का प्रशिक्षण लेकर ग्रामीण लघु उद्योगों का प्रशिक्षण लेकर ग्रामीण लघु उद्योगों में कार्य कर रही है। बोधगया तथा पटना जैसे शहरों में ग्रामीण महिलाएँ जाकर टेम्पु और इ–रिक्शा चलाकर अपना जीविका चला रही है जो कार्य मूलतः स्त्रियों के लायक नहीं माना जाता है। इससे प्रतीत होता है कि आधुनिकीकरण का प्रभाव ग्रामीण महिलाओं के कार्य–कलाप पर भी अपना प्रभाव जमाते जा रहा है।

संदर्भ सूची –

1. Betelle, Andre : Caste, class and power
2. Black C.E. : - The Dynamics of modernization
3. Blumer, Herbert : - Industrialsation and the traditional order
4. Berlo, D.K. – The process of communication.
5. Barringer, H.R. G.L.- Blanksten and R.W. Mack Social Change in developing Areas Cambridge mass
6. Altas, S.N. – Modernization and social change.
7. Altbech, P.G.- Higher education and Modernization
8. Aiyar, S.P.- Modernization of Traditional society.
9. Foster P.G.- Traditional culture and the impact of technological change.
10. Crangrade, K.D. : Social mobility in India.